मुनि सुव्रतनाथ चालीसा

दोहा
अरिहंत सिद्ध आचार्य को,
शत्-शत करूँ प्रणाम।
उपाध्याय सर्वसाधु,
करते स्वपर कल्याण॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जिनधर्म, जिनागम,
जिन मन्दिर पवित्र धाम।
वीतराग की प्रतिमा को,
कोटि-कोटि प्रणाम॥

चौपाई
जय मुनिसुव्रत दया के सागर,
नाम प्रभु का लोक उजागर स्मित्र॥

राजा के तुम नन्दा,
माँ शामा की आंखों के चन्दा॥

श्यामवर्ण मरत प्रभु की प्यारी,
गुणगान करे निशदिन नर नारी॥

मुनिसुव्रत जिन हो अन्तरयामी,
श्रद्धा भाव सहित तुम्हें प्रणामी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

भक्ति आपकी जो निशदिन करता,
पाप ताप भय संकट हरता।

प्रभू संकटमोचन नाम तुम्हारा,
दीन दुखी जीवों का सहारा।

कोई दरिद्री या तन का रोगी,
प्रभु दर्शन से होते हैं निरोगी।

मिथ्या तिमिर भयो अति भारी,
भव भव की बाधा हरो हमारी॥

यह संसार महा दुखाई,
सुख नहीं यहां दुख की खाई॥

मोह जाल में फंसा है बंदा,
काटो प्रभु भव भव का फंदा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

रोग शोक भय व्याधि मिटावो,
भव सागर से पार लगाओ॥

घिरा कर्म से चौरासी भटका,
मोह माया बन्धन में अटका॥

संयोग-वियोग भव-भव का नाता,
राग द्वेष जग में भटकाता॥

हित मित प्रिय प्रभु की वाणी,
स्वपर कल्याण करे मुनि ध्यानी॥

भव सागर बीच नाव हमारी,
प्रभु पार करो यह विरद तिहारी॥

मन विवेक मेरा अन जागा,
प्रभु दर्शन से कर्ममल भागा॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नाम आपका जपे जो भाई,
लोका लोक सुख सम्पदा पाई॥

कृपा दृष्टि जब आपकी होवे,
धन आरोग्य सुख समृद्धि पावे॥

प्रभू चरणन में जो जो आवे,
श्रद्ध भक्ति फल वाछित पावे॥

प्रभु आपका चमत्कार है प्यारा,
संकट मोचन प्रभु नाम तुम्हारा॥

सर्वज्ञ अनंत चतुष्टय के धारी,
मन वच तन वंदना हमारी॥

सम्मेद शिखर से मोक्ष सिधारे,
उद्धार करो मैं शरण तिहारे॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

महाराष्ट्र का पैठण तीर्थ,
सुप्रसिद्ध यह अतिशय क्षेत्र।

मनोज्ञ मन्दिर बना है भारी,
वीतराग की प्रतिमा सुखकारी॥

चतुर्थ कालीन मूर्ति है निराली,
मुनिसुव्रत प्रभु की छवि है प्यारी॥

मानस्तंभ उत्तंग की शोभा न्यारी,
देखत गलत मान कषाय भारी॥

मुनिसुव्रत शनिग्रह अधिष्टाता,
दुख संकट हरे देवे सुख साता॥

शनि अमावस की महिमा भारी,
दूर-दूर से यहां आते नर नारी॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

दोहा
सम्यक् श्रद्धा से चालीसा,
चालीस दिन पढ़िये नर-नार।

मुनि पथ के राही बन,
भक्ति से होवे भव पार॥

जाप:- ॐ ह्रीं अर्ह श्री मुनिसुव्रतनाथाय नम:

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य जैन चालीसा

आदिनाथ चालीसा

अजितनाथ चालीसा

संभवनाथ चालीसा

अभिनंदननाथ चालीसा

सुमतिनाथ चालीसा

पद्मप्रभु चालीसा

सुपार्श्वनाथ चालीसा

चंद्रप्रभु चालीसा

पुष्पदंत चालीसा

शीतलनाथ चालीसा

श्रेयांसनाथ चालीसा

वासुपूज्य चालीसा

विमलनाथ चालीसा

अनंतनाथ चालीसा

धर्मनाथ चालीसा

शांतिनाथ चालीसा

कुंथुनाथ चालीसा

अरहनाथ चालीसा

मल्लिनाथ चालीसा

मुनि सुव्रतनाथ चालीसा

नमिनाथ चालीसा

नेमिनाथ चालीसा

पार्श्वनाथ चालीसा

महावीर चालीसा